

सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम:

स्वच्छता जागरूकता एवं डस्टबिन वितरण मुंबई के विभिन्न मत्स्य सहकारी समितियों / कोलीवाड़ों में

राष्ट्रीय किसान दिवस, 23 दिसम्बर 2025 को

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई द्वारा

अनुसंधान परियोजना “स्वच्छता कार्य योजना एवं शहरी मछली बाजारों से मछली अपशिष्ट का वाणिज्यिक उपयोग”, (भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा फंडेड) के अंतर्गत

राष्ट्रीय किसान दिवस, 23 दिसम्बर 2025 को “स्वच्छता कार्य योजना एवं शहरी मछली बाजारों से मछली अपशिष्ट का वाणिज्यिक उपयोग” अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई टीम के द्वारा सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. मुंबई के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और शोधार्थियों की टीम द्वारा सात मत्स्य सहकारी समितियों/कोलीवाड़ों (मछुआरा गाँवों) में डॉ. एन/पी. साहू, निदेशक (कार्यवाहक), भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. मुंबई के नेतृत्व में आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियाँ

- स्वच्छता जागरूकता: स्वच्छता और स्वच्छ जीवनशैली पर जागरूकता
- विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) पर जानकारी: हिंदी और अंग्रेज़ी में सूचना सामग्री का वितरण
- डस्टबिन वितरण: मछली अपशिष्ट प्रबंधन हेतु डस्टबिन वितरण

मत्स्य सहकारी समितियाँ जहाँ सामुदायिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए:

- i.) जुहू तारा कोली समाज मत्स्योद्योग सहकारी संघ मर्यादित सोसाइटी, जुहू कोलीवाड़ा
- ii.) डांडा कोली मछेमारी व्यवसायिक सहकारी सोसाइटी, खार कोलीवाड़ा
- iii.) माहीम मछीमार विविध कार्यकारी सहकारी सोसाइटी, माहीम कोलीवाड़ा
- iv.) माहीम नाखवा मछीमार सहकारी संस्था, माहीम कोलीवाड़ा
- v.) वर्ली कोलीवाड़ा नाखवा मत्स्य व्यवसाय सहकारी सोसाइटी, वर्ली कोलीवाड़ा
- vi.) वर्ली मछीमार सर्वोदय सहकारी सोसाइटी, वर्ली कोलीवाड़ा
- vii.) श्री मार्तंड प्रशना कोलाबा मत्स्योद्योग विविध कार्यकारी सहकारी संस्था, कोलाबा

इस सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य मत्स्य समुदाय के सदस्यों में स्वच्छता और उचित रूप से मछली अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देना था। इसके अंतर्गत डस्टबिन वितरित किए गए।

कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियाँ

- स्वच्छता जागरूकता
- विकसित भारत-रोज़गार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) पर सूचना सामग्री का वितरण
- मछली अपशिष्ट प्रबंधन हेतु डस्टबिन वितरण

मत्स्य सहकारी समिति के पदाधिकारियों और मछुआरा सदस्यों ने भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा अनुसंधान परियोजना “स्वच्छता कार्य योजना एवं शहरी मछली बाजारों से मछली अपशिष्ट का वाणिज्यिक उपयोग” (भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा फंडेड) की टीम के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने मछुआरा समुदायों एवं मछली बाजारों में

स्वच्छता की संस्कृति विकसित करने के लिए किए गए समर्पित प्रयासों की सराहना की। समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने विशेष रूप से मछली अपशिष्ट के उचित प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु डस्टबिन वितरण, पूर्व वर्षों में अन्य इनपुट्स की उपलब्धता, मछली अपशिष्ट को खाद में परिवर्तित करने और डिजिटल लेन-देन के उपयोग पर ज्ञान प्रदान करने के लिए भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. परियोजना टीम को धन्यवाद दिया।

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. मुंबई टीम डॉ. अर्पिता शर्मा – प्रधान अन्वेषक, अनुसंधान परियोजना “स्वच्छता कार्य योजना एवं शहरी मछली बाजारों से मछली अपशिष्ट का वाणिज्यिक उपयोग”, सह-प्रधान अन्वेषक: डॉ. स्वदेश प्रकाश, डॉ. अजीत के. वर्मा, डॉ. प्रेम कुमार के.मा.शि.सं. मुंबई में गतिविधियों हेतु सहयोग, तकनीकी स्टाफ: श्री प्रणय बिस्वाल, श्री सिमंत कुमार, वरिष्ठ अनुसंधान सहकर्मी, श्री निशांत कुमार, मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी प्रभाग के शोधार्थी: श्री भालचंद्र नाइक, श्री विजेंद्र कुमार, श्री पुगंजेंथी, श्री महेश शर्मा और सुश्री बेनु कुमारी इन सभी ने कार्यक्रमों के समन्वय में उत्साहपूर्वक योगदान दिया और क्षेत्र में विस्तार सेवा प्रणाली प्रबंधन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

मत्स्य सहकारी समिति के पदाधिकारियों और मछुआरा सदस्यों का विवरण एवं डस्टबिन प्राप्ति के रेकॉर्ड मैटेन किए गए, इसके अतिरिक्त, आसपास के निवासी एवं परिवारजन भी कार्यक्रमों में सहभागी बने।

**Community Outreach Programmes on
Swachhta Awareness and Dustbin Distribution to
Fisheries Cooperative Societies of Mumbai Fishing Villages / Koliwadas on
National Kisan Diwas, 23rd December 2025 by
ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai
under the Research Project “Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste
from Urban Fish Markets” funded by ICAR-New Delhi**

Community Outreach Programmes were organised on the occasion of National Kisan Diwas 23.12.25 under the research project “Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets” by ICAR-CIFE faculty, staff and research scholars team at 7 fisheries cooperative societies / Koliwadas (fishing villages) under the leadership of Dr. N/P. Sahu, Director (Acting), ICAR-CIFE, Mumbai

The community outreach events included

- Awareness on Swachhta (cleanliness)
- Information material distribution on Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) and
- Dustbin distribution for fish waste management

The 7 fisheries cooperative societies where these community outreach programmes were conducted:

- i.) Juhu Tara Koli Samaj Matsyodyog Sahakari Sangh Maryadit Society at Juhu Koliwada
- ii.) Danda Koli Masemari Vyavsayik Sahkari Society at Khar Koliwada
- iii.) Mahim Machhimar Vividh Karyakari Sahkari Society at Mahim Koliwada
- iv.) Mahim Nakhwa Machhimar Sahkari Sanstha at Mahim Koliwada
- v.) Worli Koliwada Nakwa Matysa Vyavsay Sahkari Society at Worli Koliwada
- vi.) Worli Machhimar Sarvodya Sahkari Society at Worli Koliwada
- vii.) Shri Martand Prashana Colaba Matsyaudyog Vividh Karyakari Sahkari Sanstha at Colaba

The community outreach initiative aimed to promote hygiene, sustainable practices, and waste management among fisher members, by distributing dustbins to encourage proper disposal of fish waste. Activities included were:

- Swachhta Awareness: For the Swachhta Awareness, many placards in Hindi and English were developed and displayed to sensitize fishers about cleanliness. Leaflets on i.) Development of Organic Manure From Fish Waste: CIFE Do It Yourself Technology (DIY) FishANUre™ ii.) Digital transactions were also distributed.
- VB-GRAMG Awareness: Viksit Bharat–Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) informational materials in Hindi and English were distributed to fishers.
- Dustbin distribution and fisher interactions: Interactions were held with fishers and other stakeholders where importance of Swachhta (Cleanliness) was discussed and Dustbin distribution was done for the 7 fisheries cooperative societies for fish waste management, segregation and disposal.

The fisheries cooperative society officials and fisher members expressed their gratitude to ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi, and the team of the research project “Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets” (funded by ICAR, New Delhi) for their dedicated efforts in developing a culture of cleanliness among fishing communities. They thanked the ICAR-CIFE project team for distributing dustbins to promote proper fish waste management, for providing other inputs in previous years, and for imparting knowledge on converting fish waste into manure and digital transactions to support sustainable practices, thereby reinforcing the CIFE team’s dedicated extension and community outreach efforts.

ICAR-CIFE team comprised of Dr. Arpita Sharma, Principal Investigator of research project “Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets”. Co-Principal Investigators Dr. Swadesh Prakash, Dr. Ajit K. Verma. Dr. Prem Kumar provided support at activities at CIFE. Technical staff, Shri. Pranay Biswal, Shri. Simant Kumar, SRF Shri. Nishant Kumar, and research scholars of FEES Division Shri Bhalachandra Naik, Shri. Vijendra Kumar, Shri. Pugzenth, Shri. Mahesh Sharma and Sushri. Benu Kumari wholeheartedly volunteered for the coordination of all the events thereby learning Extension Service System Management in the field.

The names of the fisheries cooperative society officials, fisher members and receipts were maintained and recorded. In addition to the fisher members, the nearby residents/family members also participated.



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi



Research project: Swachhta Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Urban Fish Markets, funded by ICAR, New Delhi

